दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्षः 21, अंकः 225 ■ दमण, बुधवार 27, मई 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भारत सरकार और गुजरात सरकार की ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम

वापी-कुंता के गोदाम से गुजरात एटीएस और वलसाड एसओजी ने 2.337 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स को किया जप्त

■ 658 ग्राम अन्य ड्रग्स भी किया बरामद ■ गुजरात एटीएस और वलसाड एसओजी ने अब्दूल कलाम अब्दुलरब खान और मेहुलकुमार नलीनकुमार मकवाणा को किया गिरफ्तारः राजेश मुरारा मोर्या को वॉन्टेड किया घोषित ■ कुंता के गोदाम में एमडी ड्रग्स का प्रवाही जत्था लाकर उसे सुखाकर प्रोसेस कर छोटे-छोटे पार्सल में आस-पास के क्षेत्रों में ग्राहकों को बेचते थे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई।

भारत सरकार और गुजरात सरकार की ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर गुजरात एटीएस और वलसाड एसओजी लगातार काम करती है। गुजरात एटीएस के डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस एस.एल. चौधरी को गुप्त जानकारी मिली थी कि, राजेश मुरारा मोर्या और उसके साथी अब्दूल कलाम अब्दुलरब खान और मेहुलकुमार नलीनकुमार मकवाणा अवैध तरीके से वापी के कुंता में मेफेड्रोन (एमडी ड्रग्स) बना रहे है और उसे बेच रहे हैं। गुजरात एटीएस के डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस एस.एल. चौधरी ने इसकी जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। गुजरात एटीएस के एसपी के.सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। साथ ही साथ उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार पी.डब्ल्यू.एस.आई. आर.सी. वढवाणा, पीएसआई एम.एन. पटेल, पीएसआई बी. डी. वाघेला और उनकी टीम को गुप्त सूचना को सत्यापन करने के लिए कहा किया। जानकारी पुख्ता होने पर एसपी के.सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में गुजरात एटीएस ने वलसाड एसओजी के साथ ज्वॉइंट ऑपरेशन करते हुए वापी-कुंता के भंगार के गोदाम में छापेमारी की। इस छापेमारी में इस टीम ने 2.337 किलो मेफेड्रोन और 658 ग्राम अन्य ड्रग्स बरामद किया है। इस टीम ने अब्दूल कलाम अब्दुलरब खान (निवासीः दमण टावर, खारीवाड, नानी दमण) और मेहुलकुमार नलीनकुमार मकवाणा (निवासीः राज रेसीडेन्सी, लोवर राइस सोसायटी, बलीठा, वापी) को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी राजेश मुरारा मोर्या को वॉन्टेड घोषित किया गया है। एटीएस और एसओजी की टीम ने इस मामले में आगे की जाँच शुरू कर दी है। इस ऑपरेशन में एटीएस एसपी के. सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस एस.एल. चौधरी के नेतृत्व में एटीएस पीएसआई बी. डी. वाघेला, पीएसआई मनिष पटेल, वलसाड एसओजी पीआई डी.डी. परमार एवं एटीएस तथा एसओजी की टीम एक साथ शामिल रही। गौरतलब है कि, कुछ महीने पहले भी गुजरात एटीएस ने वापी और दमण से ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दमण दौरे को लेकर भाजपाईयों ने शुरू की स्वागत की भव्य तैयारियां

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के साथ भाजपाईयों ने शहर को भाजपा के ध्वजों से सजाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित दमण यात्रा को लेकर आम जनता के साथ-साथ भाजपाईयों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। दमण शहर में प्रधानमंत्री मोदी जी के स्वागत की तैयारियां भी भाजपाईयों ने शुरू कर दी है। आज संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के साथ भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों पर भाजपा के झंडे लगाये। दमण शहर को भाजपा के झंडे से इतना सुंदर सजाया गया कि पूरा शहर भाजपा के रंग में रंग गया।

पीएम मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीएमसी की टीम ने दमण एयरपोर्ट, मरवड अस्पताल और सभा स्थल स्वामी विवेकानंद ग्राउंड का किया दौरा

■ डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल और वाइस प्रेसिडेंट मुकेश पटेल के साथ काउंसिलरों में तमन्ना मिठाणी, सिंपल टंडेल, फिरदोश बानो, निला राणा, प्रविणा राणा, रश्मी हलपति, कपिला ओड रही उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जून के प्रथम सप्ताह में होने वाले प्रस्तावित दमण दौरे से पहले दमण म्युनिसिपल काउंसिल की टीम ने आज दमण एयरपोर्ट टर्मिनल, मरवड सरकारी अस्पताल और पीएम मोदी के सभा स्थल स्वामी विवेकानंद ग्राउंड का दौरा किया। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा तैयार किये गये नये एयरपोर्ट टर्मिनल और भव्य मरवड अस्पताल सहित के प्रोजेक्टों को नजदीक से निहारकर डीएमसी की टीम गदगद हो गई। इस दौरे में डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल और वाइस प्रेसिडेंट मुकेश पटेल के साथ काउंसिलरों में तमन्ना मिठाणी, सिंपल टंडेल, फिरदोश बानो, निला राणा, प्रविणा राणा, रश्मी हलपति और कपिला ओड उपस्थित रही।

सिलवासा स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन में हुई महत्वपूर्ण बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 26 मई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा द्वारा आज सिलवासा स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन में एक महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत पटेल की उपस्थिति रही। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुनील पाटिल, सिलवासा नगरपालिका के अध्यक्ष सोमनाथ पाटिल, दादरा नगर हवेली जिला पंचायत अध्यक्षा निशा भावर, सभी जिलाध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारीगण, प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधि, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा जिला स्तर के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी के आगामी कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा प्राप्त विभिन्न अभियानों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित दमण यात्रा को लेकर भी व्यापक चर्चा की गई। बैठक में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा प्रदेश की अधिक से अधिक जनता को कार्यक्रम से जोड़ने का आह्वान किया गया।

दीव जिला भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 26 मई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा के मार्गदर्शन में दीव जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन लक्ष्मण के कुशल नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत 24 और 25 मई 2026 को सिम्बोर में एक शानदार और सफल दो दिन का जिला ट्रेनिंग क्लास आयोजित किया गया। इस ट्रेनिंग क्लास का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय भावना जगाना, लोगों को पार्टी की विचारधारा से अवगत कराना और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना था। इस दो दिन के ट्रेनिंग कैंप में कुल 11 अलग-अलग सेशन आयोजित किए गए।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के 6 स्पीकर्स समेत लीडर्स ने कई ज़रूरी टॉपिक्स पर सही गाइडेंस दी। भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल ने अंत्योदय से संतृप्ति, संगठन के 'वर्किंग मेथड' और आज के ज़माने में 'सोशल मीडिया, अक् नमो ऐप और रअफ्फ्अछ ऐप' के इस्तेमाल पर मार्गदर्शन दिया। जीतूभाई माढा ने 'डेवलपमेंट, केयर और रिस्पॉन्सिबिलिटी' के साथ-साथ 'वर्क एरिया' टॉपिक पर डिटेल में मार्गदर्शन दिया। अनिल दीक्षित ने पार्टी के 'आइडियोलॉजिकल हेडक्वार्टर्स' टॉपिक पर सभी को जानकारी दी। किरीट वाजा ने 'देश के सामने चैलेंज और उन्हें सॉल्व करने की हमारी कोशिशें' पर अच्छी चर्चा की। विशाल टंडेल ने जनता के बीच काम करने पर 'प्रैक्टिकल सेशन' किया।

हितेश लाड ने भाजपा के इतिहास' और हमारे 'विचार परिवार' के बारे में जानकारी दी। बिपिन शाह ने चुनाव के सबसे ज़रूरी पहलू 'बूथ मैनेजमेंट' पर स्ट्रेटेजिक गाइडेंस दिया। इस कैंप के आखिरी सेशन में दीव डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मोहन लक्ष्मण ने बहुत इंस्पायरिंग और एनर्जी से भरपूर गाइडेंस दिया। उनके लगातार गाइडेंस में ही यह दो दिन का प्रोग्राम सफल रहा।

उन्होंने पहले देश, दूसरी पार्टी और आखिर में खुद के बेसिक प्रिंसिपल पर ज़ोर दिया, जिससे वहां मौजूद सभी लोगों में नई एनर्जी भर गई। उन्होंने साफ मैसेज दिया कि अगर पार्टी और अपना डेवलपमेंट पक्का करना है, तो हममें से हर एक को 'खुद' की फीलिंग छोड़कर खुद को पूरी तरह से देश और ऑर्गनाइजेशन के लिए डेडिकेट करना होगा।इस ट्रेनिंग क्लास में रीजन, डिस्ट्रिक्ट, मंडल और फ्रंट के पदाधिकारियों के साथ-साथ दीव नगर पालिका के प्रेसिडेंट और डिस्ट्रिक्ट पंचायत के प्रेसिडेंट और वाइस प्रेसिडेंट खास तौर पर मौजूद थे। इसके साथ ही, इस कैंप के ज़रिए सभी अटेंडीज़ में नई एनर्जी और जोश भर गया है। सभी सेशन जानकारी देने वाले थे और आने वाले समय में पब्लिक सर्विस और ऑर्गनाइज़ेशनल काम को और तेज़ करने का संकल्प लिया गया।

गुजरात में 18 से 20 जून तक 'शाला प्रवेशोत्सव', मुख्यमंत्री समेत मंत्री करेंगे बच्चों का कराएंगे दाखिला

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात सरकार ने राज्य की स्कूलों में बच्चों के नामांकन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित होने वाले 'शाला प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम की तारीखों की घोषणा कर दी है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस वर्ष राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन 18 जून से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। सरकार की ओर से आयोजित इस विशेष अभियान में राज्य के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री तथा मंत्रिमंडल के सभी सदस्य विभिन्न जिलों और स्कूलों में पहुंचकर नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालयों से जोड़ना और प्राथमिक शिक्षा के स्तर को मजबूत बनाना है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार लंबे समय से शिक्षा के विस्तार और बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करने के लिए शाला प्रवेशोत्सव को प्राथमिकता देती रही है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हालांकि, प्रशासनिक आवश्यकताओं और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा में मामूली बदलाव की संभावना भी जताई गई है। इसके बावजूद सरकार ने साफ किया है कि बच्चों के प्रवेश और शिक्षा प्रोत्साहन से जुड़े सभी प्रमुख आयोजन पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार ही संचालित किए जाएंगे।

जून महीने के मध्य में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों में अधिकारी और जनप्रतिनिधि स्कूलों का दौरा करेंगे। इस अवसर पर बच्चों को स्कूल किट, अध्ययन सामग्री और अन्य प्रोत्साहन सामग्री भी वितरित की जाएगी। राज्य सरकार का मानना है कि शाला प्रवेशोत्सव जैसे अभियान न केवल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हैं, बल्कि अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बकरीद को लेकर गुजरात पुलिस अलर्ट: डीजीपी डॉ. राव ने अधिकारियों संग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात में आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से राज्य के पुलिस प्रमुख डॉ. के. एल. एन. राव की अध्यक्षता में आज पुलिस भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य के सभी शहरों के पुलिस कमिश्नर, जिला पुलिस अधीक्षक तथा रेंज अधिकारियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। बैठक में त्योहार के दौरान राज्यभर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ बनाए रखने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो तथा सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक एकता बनी रहे, इसके लिए जिला स्तर पर अग्रिम तैयारी और कड़े पुलिस बंदोबस्त सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस तैनाती, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर कड़ी निगरानी, ट्रैफिक प्रबंधन तथा आपातकालीन सेवाओं की तत्परता बनाए रखने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा और जनसुविधा बनाए रखने के लिए पूरे राज्य में विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

इंडिगो की बेंगलुरु-चेन्नई फ्लाइट में धुआं, यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया

बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु से चेन्नई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में मंगलवार को अचानक धुआं दिखाई देने से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट संख्या 6ई-6017 में धुएं जैसी स्थिति बनने के बाद इमरजेंसी प्रक्रिया अपनाई गई और यात्रियों को तुरंत इमरजेंसी गेट के जरिए बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि विमान में धुआं दिखाई देने के बाद यात्रियों के बीच घबराहट फैल गई। एयरपोर्ट स्टाफ और क्रू मेंबर्स ने तुरंत स्थिति को संभाला और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। इंडिगो की ओर से फिलहाल विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी में तकनीकी खराबी या किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुआं उठने की आशंका जताई जा रही है। विमान को फिलहाल जांच के लिए रोक दिया गया है। हाल के दिनों में विमानों में धुआं, आग या तकनीकी खराबी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर भी इंडिगो की एक फ्लाइट में पावर बैंक में आग लगने के बाद इमरजेंसी निकासी करानी पड़ी थी। विमानन सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुट गई हैं और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया है।

बेटे की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तब कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (ईएमएस)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा। उस स्थिति में केवल सुगम, विशिष्ट, नित्य और सामान्य पास धारकों को ही तय नियमानुसार अलग-अलग श्रेणी के मंदिरों में प्रवेश व दर्शन का अधिकार मिल सकेगा।

केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव प्रशासन
नागरिक उड्डयन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव
नीलामी सूचना
दमण हवाई अड्डा, नानी दमण में 07 दुकाने, 02 टैक्सी काउंटर और 01 रेस्तरां संचालित करने की अनुमति के लिए।
RFP No. CAD/DNH&DD/Airport/Auctions/2025-26/69
visit https://ddd.gov.in/ dnhddtourism@gmail.com Phone No. 9714077224
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 05/06/2026
बोली खुलने की तिथि :06/06/2026
सचिव PWD/ नागरिक उड्डयन विभाग कार्यालय, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण - 396 215
No.: IP/DMN/2/5/2026-27/183 dated: 26/5/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगरहवेली तथा दमण और दीव
प्रबंधन समिति, उपवनसंरक्षक, वनविभाग, दमण
निविदा आमंत्रण सूचना
मोती दमन स्थित जम्पोर बीच के पास स्थित जम्पोर हाउस के संचालन और रखरखाव के लिए प्रबंधन अनुबंध के आधार पर एक एजेंसी के चयन हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध।
टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4777_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : 29/05/2026
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 11/06/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 11/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 12/06/2026
For details please scan https://ddtenders.gov.in
उपवनसंरक्षक, वनविभाग, दमण
No.: IP/DMN/2/5/2026-27/182 dated: 26/5/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
देवका गार्डन, नमो पथ, नानी दमन में स्थायी प्रकाश व्यवस्था के लिए सजावटी प्रकाश व्यवस्था के तत्वों की खरीद के संबंध में।
टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4789_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 01/06/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 01/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 01/06/2026
For details please scan https://ddtenders.gov.in
कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,
No.: IP/DMN/2/5/2026-27/181 dated: 26/5/2026

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME - RIZWANA MOMTAZ TO **NEW NAME RIZWANA MUMTAZ PRADHAN (PASSPORT NO.N3080520) ADDRESS: -** 14-79/B/1/G-11,ALPHA VILLA DILIP NAGAR ,OPPOSITE DILIP NAGAR CROSS LANE NO.5,KATHIRA,NANI DAMAN 396210

CHANGE OF NAME
OLD NAME - NITIXA KAMLESH PATEL
NEW NAME - NITIKSHA KAMLESH PATEL
ADDRESS - 62-3 KOLIWAD KACHIGAM NANI DAMAN, DAMAN-396210

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME : JADHAV JAYANT BASWANT TO **NEW NAME : JAYANT BASWANT JADAV**, RESIDENT OF 1098/36 TULSI NIWAS,COLLAGE FALIYA,NEAR GOVT COLLAGE,DUNETHA,NANI DAMAN,DAMAN, DAMAN AND DIU - 396210.

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME : THAKORBHAI BHAGVANBHAI TANDEL TO **NEW NAME : THAKORBHAI BHAGWANBHAI TANDEL**, RESIDENT OF 244,VGGP,NEAR PRIMARY SCHOOL,NANI DAMAN,DAMAN, DAMAN AND DIU - 396210.

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME : PATEL SAKINABANU ABDULSATAR TO **NEW NAME : SAKINABANU**, RESIDENT OF 204-3,VAHANWALA FALIA,NANI DAMAN,DAMAN,DAMAN AND DIU - 396210.

असली आज़ादी

बुधवार 27, मई 2026, दमण।

ट्रेलर में घुसी इनोवा, कैंची धाम जा रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर

-बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार का अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आधी रात को हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर दूसरे राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी सात लोग उत्तराखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा नीम करौली के कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंची, सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया। इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की पहचान राहुल कुमार (पुत्र संजय कुमार, निवासी मुगलसराय, जनपद चंदौली), राहुल सिंह (पुत्र अजय प्रताप, निवासी गैबीपुर, जनपद गाजीपुर), सत्यम सिंह (पुत्र स्वर्गीय तेज प्रताप सिंह, निवासी रामपुर रसड़ा, जनपद बलिया) और सूरज मिश्रा (निवासी निकसपुर, थाना सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों में पंकज (पुत्र रमेश सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर), प्रशांत (पुत्र अवध बिहारी, निवासी बैला, जनपद बलिया) और वंदन सिंह (पुत्र दशरथ सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर) शामिल हैं, जिनका लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और रात के समय चालक को झपकी आने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

बेटी की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों के भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तो कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले हैं। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले हैं। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा।

यूसीसी पर ओवैसी का पलटवार: मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

हैदराबाद (एजेंसी)। असम विधानसभा में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूसीसी कानून को मुसलमानों पर बैकडोर से हिंदू कानून थोपने का प्रयास बताया। असम, गुजरात, गोवा और उत्तराखंड के बाद चौथा भाजपा शासित राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता अपनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह विधेयक मुस्लिम पर्सनल कानूनों पर सीधा हमला और उनके संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। उन्होंने लिखा कि उत्तराधिकार, विरासत और तलाक जैसे महत्वपूर्ण मामलों में हिंदू सिद्धांतों को जबरन थोपा जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिर्फ हिंदू संस्कृति को संरक्षित करना है, जबकि मुसलमानों को इन कथित समान कानूनों को मानने के लिए मजबूर किया।

हैदराबाद के सांसद ने असम के यूसीसी को असमान बताकर इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से पूरी तरह बाहर किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि जब संविधान का अनुच्छेद 29 सभी समुदायों को अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार देता है, तब केवल आदिवासियों की स्वायत्तता ही क्यों बचाया जा रहा है? ओवैसी के अनुसार, यह ऐसा कानून थोपने की कोशिश है जिसकी किसी को जरूरत नहीं, और संविधान सभा ने भी यूसीसी की अनिवार्यता को जरूरी नहीं समझा था। उन्होंने इस्लाम में विरासत के सिद्धांतों (कोई वारिस वंचित नहीं हो सकता, बेटियों को उचित हिस्सा मिलना) का जिक्र कर कहा कि यह यूसीसी बेटियों को वसीयत के जरिए उनके वाजिब हक से वंचित करने की इजाजत देता है, और इसका लैंगिक न्याय से कोई संबंध नहीं है।

असम सरकार के विधेयक के कानून बनने पर, बहुविवाह और दो विवाह सभी धर्मों के लिए गैर-कानूनी हो जाएंगे। इसमें महिलाओं को विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। यह राज्य में विभिन्न धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों की जगह लेगा, हालांकि अनुसूचित जनजातियों को इससे छूट दी गई है। विधेयक लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित करता है। सभी शादियों और तलाक का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

इसके पहले असम विधानसभा में महत्वपूर्ण बहस के बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का जोरदार बचाव किया। उन्होंने यूसीसी को अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा और न्याय देने वाला प्रगतिशील कदम बताया, विपक्ष पर मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है, और यह विधेयक धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकारों को मजबूत करेगा। इस विधेयक को सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया था और इस पर 27 मई को चर्चा तथा पारित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला, यह घोषणा करते हुए कि असम 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण भी प्रदान किया गया है।

इबोला वायरस को लेकर भारत अलर्ट, अफ्रीकी देशों की यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में एक बार फिर इबोला वायरस का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। अफ्रीका के कई देशों में तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। इन देशों में इबोला संक्रमण के सैकड़ों मामले सामने आने और बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को गंभीर बताया गया है। जानकारी के अनुसार कांगो में इबोला का प्रकोप सबसे ज्यादा बढ़ा है। वहां बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। कांगो सरकार के अनुसार देश के पूर्वी हिस्से में संदिग्ध मामलों की संख्या 900 से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही अधिक होने के कारण युगांडा में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं दक्षिण सूडान में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते हालात और गंभीर माने जा रहे हैं। इबोला वायरस को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है और यह संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैलता है। गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी भी सख्त कर दी है। कांगो, युगांडा, दक्षिण सूडान और उनके पड़ोसी देशों से आने वाले यात्रियों की प्रमुख हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी यात्री में तेज बुखार, उल्टी, दस्त, बदन दर्द या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत आइसोलेशन में रखा जाए। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े सरकारी अस्पतालों को भी विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में अफ्रीका से लौटे भारतीय नागरिकों से अपील की है कि यदि वे अस्वस्थ महसूस करें तो तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को अपनी यात्रा संबंधी जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी बरतने से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

अवैध बांग्लादेशियों को सीएम शुभेंदु की कड़ी चेतावनी: जल्दी भागो बंगाल से

–बोले– कोई हमारे दामाद नहीं, जो उन्हें बिठाकर खिलाएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को कड़ी चेतावनी देकर तुरंत देश छोड़कर जाने को कह दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना कार्रवाई की जाएगी। सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों को जेल में रखकर रोटी नहीं खिलाएगी और न ही घुसपैठियों पर अपना पैसा बर्बाद करेगी। उन्होंने कहा, वह हमारे दामाद नहीं हैं, उन्हें बंगाल से भगाया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बताया कि बांग्लादेश के अधिकारी भी अपने लोगों को वापस लेने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर बीएसएफ को सौंपेगी, जो उनकी वापसी में मदद करेगा।

शुभेंदु सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। इससे पहले, राज्य सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, जिसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं, को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए थे। इस संबंध में पश्चिम बंगाल के सभी जिलाधिकारियों को लिखित निर्देश और गाइडलाइंस भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अपनी नीतियों को सख्ती से लागू करने का संकल्प लिया है।

अखिलेश का योगी सरकार पर बड़ा हमला: फर्जी मुठभेड़ों से खड़ा किया आपराधिक तंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर फर्जी मुठभेड़ों के मकसद से आपराधिक तंत्र स्थापित करने और पुलिसकर्मियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया।

लखनऊ में एक प्रेसवार्ता कर यादव ने दावा किया कि योगी सरकार पहले पुलिसकर्मियों को मुठभेड़ों में शामिल करती है और बाद में उन्हें छोड़ देती है। उन्होंने गोरखपुर फर्जी मुठभेड़ मामले का उदाहरण देकर कहा कि कई पुलिसकर्मी इस कारण जेल में हैं, जबकि योगी सरकार ने इससे पल्ला झाड़ लिया है। पूर्व सीएम यादव ने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए पूरा एक आपराधिक तंत्र खड़ा किया गया है, जहां कुछ वकील ऐसी मनगढ़ंत कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि फर्जी मुठभेड़ों में फँसने पर योगी सरकार पुलिसकर्मियों से मुँह मोड़ लेती है, और भविष्य में उनके अपने परिवार वाले भी उन्हें हत्यारा मनाते है। अखिलेश ने प्रथा को अलोकतांत्रिक बताकर इसकी कड़ी निंदा कर कहा कि फर्जी मुठभेड़ों में शामिल पुलिस अधिकारियों को आजीवन गंभीर परिणाम भुगतान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार इसके जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बना रही है और इसतरह के कृत्यों में शामिल पुलिसकर्मी हर दिन धीमी मौत मरते हैं। पूर्व सीएम यादव ने दावा किया कि कई अधिकारियों ने मुठभेड़ों के डर का फायदा उठाकर महिलाओं के खिलाफ अपराध किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी मुठभेड़ों के डर से राज्य में निवेश नहीं आता, और भाजपा सरकार को भी अपने ही लोगों का नुकसान होता है। यादव ने विशेष रूप से जाति आधारित फर्जी मुठभेड़ों का उल्लेख किया। सपा प्रमुख ने बताया कि एक मुठभेड़ का अर्थ आम तौर पर झड़प होता है, जिसमें हिंसक या आपराधिक गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए एक मानसिक सॉफ्टवेयर सेट किया गया है, जो अपडेट नहीं होता, जिससे लोगों में हिंसा भड़क रही है और हत्या को हिंसा के रूप में पेश किया जा रहा है। यादव ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ें गलत हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं, और सरकार अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। यह प्रवृत्ति कई जगहों पर स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर, पीएम मोदी और अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

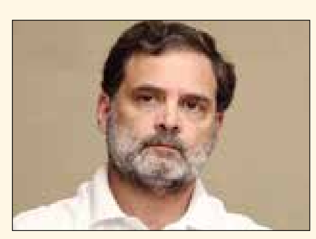

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है। उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए। मालूम हो कि राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के साथ-साथ अमेठी के दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने भाषणों में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा था।

मंत्री के बेटे पर पॉक्सो का आरोप: आरएसएस ने भाजपा से किनारा किया

साई भागीरथ

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे साई भागीरथ को हैदराबाद में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 31 दिसंबर, 2025 की रात नए साल की पार्टी से जुड़ा है, जहां भागीरथ पर नाबालिग को शराब पिलाने और छेड़छाड़ करने का आरोप है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता और भागीरथ के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोप है कि भागीरथ ने नाबालिग को बालिग होने पर शादी करने का झूठा वादा कर अपने जाल में फंसाया। पीड़िता की मां ने बताया कि भागीरथ मेरी बेटी को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करता था और पढ़ाई-लिखाई तथा करियर से जुड़े फैसलों पर भी रोक लगाता था। आरोप है कि इस दौरान भागीरथ बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाकर यौन उत्पीड़न करता था, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 की रात मोइनाबाद के फार्महाउस पर हुई घटना प्रमुख है, जब बेटी को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

लेकिन शुरुआती दबाव के कारण परिवार ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। आखिरकार, करीब चार महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तेलंगाना पुलिस ने भागीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया। कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज ने स्पष्ट किया कि भागीरथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया था बल्कि मंत्री के बेटे को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, खासकर आरएसएस और भाजपा के बीच दरार पैदा हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड 8 सीटों पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेलंगाना आरएसएस ने इस विवाद से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है और अगर कोई उनके पदाधिकारियों को इसमें घसीटकर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वेबसाइट बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका ; अब क्या करेगी 'कॉकरोच जनता पार्टी', खुद दिया बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब खुद को केवल सोशल मीडिया अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी से जुड़े लोगों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इसे युवाओं के बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर करोड़ों युवाओं को जोड़ने वाली इस मुहिम ने हाल ही में अपना रोडमैप जारी करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और आगे देशभर में कई स्तरों पर अभियान चलाए जाएंगे। हालांकि इस अभियान को लेकर विवाद भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की वेबसाइट पर कार्रवाई होने और सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे संदेश में 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने खुद की तुलना उन जीवों से की जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं। पोस्ट में कहा गया कि देश का युवा वर्ग भी आज संघर्ष, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा है, लेकिन वह हार नहीं मानेगा। पार्टी ने दावा किया कि उसकी विचारधारा भारतीय संविधान से प्रेरित है और वह लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए संघर्ष करेगी। संगठन ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से देश में बदलाव के लिए सुझाव भी मांगे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर जल्द बड़े अभियान शुरू किए जाएंगे। इस बीच अभियान शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके घर के बाहर सुरक्षा के तौर पर पुलिस तैनात की गई है। अभिजीत फिलहाल अमेरिका के बोस्टन में हैं, जबकि उनके परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय की टिप्पणियों का उपयोग प्रचार के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह मुहिम तेजी से फैल गई।

ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ी वैश्विक मांग, कई अरब देशों ने दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में निर्मित ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली की वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम एशिया के कई अरब देशों ने भारत से इन मिसाइलों की खरीद में रुचि दिखाई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं ने रक्षा तैयारियों को और तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे देशों ने भारत से रक्षा खरीद को लेकर संपर्क किया है। हालांकि रक्षा सौदों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रक्षा और विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी होने की जानकारी सामने आई है।

भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम के तहत तैयार की जाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे आधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं आकाश मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी तक दुश्मन के विमानों और ड्रोन हमलों को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। हाल के वर्षों में भारतीय रक्षा तकनीक को लेकर दुनिया के कई देशों की रुचि बढ़ी है और भारत भी रक्षा निर्यात को नई रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद अब कई अन्य देश भी इस रक्षा प्रणाली को खरीदने के इच्छुक हैं। पहले से करीब आधा दर्जन देश ब्रह्मोस के लिए कतार में बताए जा रहे थे और अब अरब देशों की दिलचस्पी ने इसकी मांग को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मिसाइल तकनीक कम लागत और उच्च क्षमता के कारण वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से मजबूत स्थिति बना रही है।

इस बीच सऊदी अरब की ओर से अभी तक भारत से किसी औपचारिक रक्षा खरीद प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंधों के कारण सऊदी अरब फिलहाल संतुलित रुख अपनाए हुए है। हालांकि क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे में रक्षा साझेदारियों के नए समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए यह अवसर रक्षा निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक प्रभाव मजबूत करने के रूप में भी देखा जा रहा है।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

संपादकीय

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है।

चिंतन-मनन

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

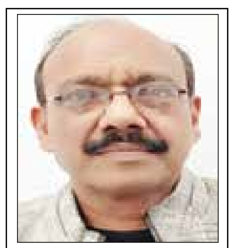

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टे-केगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

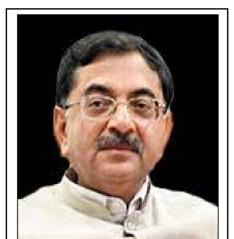

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में नौ मंजिला इमारत गिरी, 21 लोग मलबे में दबे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एंजेल्स शहर में रविवार तड़के एक निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोग लापता हैं, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश और तूफान के बाद यह हादसा हुआ। राहत कार्य के दौरान मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी हैं, बचावकर्मी कंक्रीट काटकर लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरीन : आईआरजीसी के साथ साजिश के आरोप में 9 को उम्रकैद

बहरीन, एजेंसी। बहरीन की एक अदालत ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ मिलकर देश के खिलाफ आतंकवादी और शत्रुतापूर्ण कृत्यों की साजिश रचने के आरोप में नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दो अन्य आरोपियों को तीन-तीन साल जेल की सजा दी गई है। दोषी पाए गए व्यक्ति संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में शामिल थे।

बलूचिस्तान में मुठभेड़ में नौ लड़ाकों और चार जवानों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में स्थानीय लड़ाकों के खिलाफ चलाए गए एक खुफिया ऑपरेशन में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और सात घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार को बताया कि कुचलक और नोहसार इलाकों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में नौ लड़ाके भी ढेर कर दिए गए। मारे गए सभी जवान आतंकवाद निरोधी विभाग के थे। घायल कर्मियों का क्वेटा में इलाज चल रहा है। सुरक्षा बलों ने पहले भी 35 लड़ाकों को ढेर किया था।

पाकिस्तान : आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों को मारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। मालूम हो कि पाकिस्तान के विद्रोही संगठन भी लगातार हिंसक आंदोलन कर रहे हैं।

स्पेन : घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोगों ने घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग लगातार बढ़ते किराए और घरों की कीमतों से परेशान हैं। इससे कई स्पेनिश नागरिकों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। यह प्रदर्शन रविवार को शहर के केंद्र में किया गया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के लिए 2027 के चुनाव से पहले स्पेन में आवास संकट एक बड़ी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

द. चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीप के पास टकराव के बाद वापस लौटा चीनी जहाज

ताइपे, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर के उत्तरी छोर पर स्थित रणनीतिक तौर से अहम प्रतास द्वीप समूह के पास ताइवान और चीन के तटरक्षकों के बीच गंभीर गतिरोध और तीखी बहस के बाद रविवार को आखिरकार चीनी तटरक्षक जहाज वापस लौट गया। ताइवानी तटरक्षक बल के मुताबिक, शनिवार को एक चीनी तटरक्षक जहाज प्रतास द्वीप की ओर आते देखे जाने पर ताइवान ने जहाज भेज तुरंत चेतावनी दी थी। इस पर दोनों पक्षों के बीच संप्रभुता को लेकर रेडियो पर तीखी बहस हुई। इसमें चीन ने अपने जहाज के रोजाना की गश्त पर होने और प्रतास द्वीप के चीन की संप्रभुता और अधिकार होने की बात कही। इसके जवाब में ताइवानी जहाज ने चीनी जहाज से शांति भंग न करने और वापस लौटने को कहा।

यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला, रूस ने बरसाया घातक हथियार, क्या है हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल

कीव , एजेंसी। रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

क्या है ओरेश्निक मिसाइल : ओरेश्निक मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में 'ओरेश्निक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह तीसरी बार है जब रूस ने ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन पर किया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन का क्या दावा यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

जगह-जगह उठता रहा धुआं : चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एपी के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सुबह तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है।

पांच मंजिला इमारत पर हमला : यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ। इससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है।

रूस ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेश्निक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहाकि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा नियुक्त लुहांस्क क्षेत्र के अधिकारियों ने पीड़ितों के सम्मान में रविवार और सोमवार को दो दिन के शोक की घोषणा की। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने युद्ध के शुरुआती दिनों से ही रूस पर नियमित रूप से नागरिकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन इन आरोपों से इनकार करता है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान से प्रणय वर्मा की मुलाकात

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक और अहम कदम सामने आया है। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ढाका में हुई इस विदाई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के कई संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। तारिक रहमान ने प्रणय वर्मा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत सरकार ने प्रणय वर्मा को अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।

बैठक में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी मौजूद रहे। प्रणय वर्मा ने सितंबर 2022 में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का पद संभाला था। अब उनकी जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश हाल के तनावपूर्ण दौर के बाद रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान से समझौता मंजूरी में लग सकते हैं कुछ दिन : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान की लीडरशिप से इस समझौते को मंजूरी मिलने में कुछ दिन लग सकते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है और यह डील टूट भी सकती है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई। स?िन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह संभावित समझौता लंबे समय तक शांति बनाए रखने वाला कोई पक्का समझौता बनेगा या नहीं, और क्या इसमें अमेरिका की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगों का भी हल निकलेगा। रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों से कहा है कि वे 'जल्दबाजी में कोई समझौता न करें', क्योंकि 'समय हमारे पक्ष में है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और सही तरीके से फैसला करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की पाबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कोई समझौता तय होकर उस पर आधिकारिक मंजूरी और हस्ताक्षर नहीं हो जाते। रविवार को ही ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत का बचाव करते हुए ओबामा सरकार के समय हुए परमाणु समझौते की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा बातचीत ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकेगी। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 2015 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुआ ईरान परमाणु समझौता यह बयान ऐसे समय आया जब ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों के बीच एक बड़ा क्षेत्रीय समझौता लगभग तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से बातचीत की है।

कांगो में इबोला का कहर तेज: 900 के पार पहुंचे संदिग्ध मामले, दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है ये वायरस?

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश के पूर्वी हिस्से में फैले संक्रमण ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कांगो सरकार के मुताबिक संदिग्ध इबोला मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। लगातार बढ़ते संक्रमण और मौतों ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस प्रकोप को कांगो के लिए बहुत बड़ा खतरा बताया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण फैलने का जोखिम अभी कम माना गया है। इस बीच भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की सलाह दी है। कांगो में इबोला का प्रकोप कितना गंभीर हो गया है? कांगो के संचार मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 904 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 119 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इससे पहले 700 से ज्यादा मामलों और 170 से अधिक मौतों की जानकारी दी गई थी। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर इतुरी प्रांत में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा प्रकोप के लिए बंडिबुग्यो स्ट्रेन जिम्मेदार माना जा रहा है। यह इबोला का खतरनाक प्रकार है और फिलहाल इसके लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन या खास दवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से हालात को बेहद गंभीर माना जा रहा है। दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है इबोला कांगो में तेजी से बढ़ते इबोला मामलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संक्रमण नहीं रोका गया तो यह दूसरे देशों तक फैल सकता है। बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ अभी कोई प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इबोला ने फिर दिखाया कि संक्रामक बीमारियां तेजी से वैश्विक खतरा बन सकती हैं।

भारतीयों के लिए क्या एडवाइजरी जारी की गई है : भारत सरकार ने कांगो, युगांडा और आसपास के देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। जो भारतीय फिलहाल इन देशों में रह रहे हैं, उन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है। भारत में अब तक इबोला का कितना असर देखा गया? भारत में अब तक इबोला का सिर्फ एक मामला सामने आया है। साल 2014 में पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला संक्रमण के दौरान लाइबेरिया से लौटे 26 वर्षीय भारतीय नागरिक में यह वायरस पाया गया था। एयरपोर्ट स्क्रीनिंग के दौरान उसकी पहचान हुई थी। बाद में उसे आइसोलेट कर सफलतापूर्वक इलाज किया गया और संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया। इसके बाद भारत में इबोला का कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया। फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं है। इबोला एक बेहद खतरनाक और कई बार जानलेवा वायरस है। यह संक्रमित जानवरों से इंसानों में फैलता है और फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी, शरीर में दर्द और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं।

मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

वॉशिंगटन , एजेंसी। नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई-स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है।

आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान : नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है।

यान ने कौन-कौन सी तस्वीरें भेजीं : फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल-रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है : नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि : विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है।

भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है।

भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया : काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम-कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। सुरेंद्र पांडे का कहना है कि अगर भारतीय पर्यटकों के लिए नियम और आसान किए जाएं तो नेपाल को पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से रोजगार और कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन बढ़ाने के लिए और क्या सुझाव दिए गए : नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान और बिना परेशानी वाला बनाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर सीमा पर प्रक्रियाएं सरल होंगी तो ज्यादा भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचेंगे। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन सबसे अहम क्षेत्रों में से एक माना जाता है। पहाड़, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की वजह से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचते हैं।

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

क्यों खतरनाक है यह केमिकल : यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

टैंक में क्या खराबी आई है : इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

अगर धमाका हुआ तो क्या होगा : अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा।

असली आज़ादी

बुधवार 27, मई 2026, दमण।

संक्षिप्त डायरी

गांधी घाट में सनसनीखेज हादसा: स्नान के दौरान तीन युवक गंगा में डूबे

पटना (एजेंसी) पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित गांधी घाट पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. गंगा नदी में स्नान करने के दौरान तीन युवक डूब गए, जिनकी मौत हो गई. (नीतीश सिंह) पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित गांधी घाट पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. गंगा नदी में स्नान करने के दौरान तीन युवक डूब गए, जिनकी मौत हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस और रऊफ्फ्रकी टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. एक युवक को बचाने के प्रयास में दो और डूबे जानकारी के अनुसार सुबह करीब आठ बजे कंकड़बाग निवासी 20 वर्षीय समर कुमार अपने दो दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने गांधी घाट पहुंचा था. नहाते समय समर गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. उसे बचाने के लिए उसके दोनों साथी भी नदी में कूद पड़े, लेकिन वे भी तेज धारा की चपेट में आ गए और तीनों डूब गए. मौके पर घटना की सूचना पर पीरबहोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. कुछ ही समय में तीनों युवकों के शव बरामद कर लिए गए. मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा गया है. समर कुमार की पहचान हो चुकी है, जबकि दो अन्य युवकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है. पुलिस आगे की जांच और शिनाख्त में जुटी है.

रोहतास के संझौली सीएचसी में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय का निधन

पटना (एजेंसी) रोहतास के स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत 56 वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. उनके निधन की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की. रोहतास जिले के संझौली प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कार्यरत 56 वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय के अचानक निधन से पूरे इलाके में शोक का माहौल है. विनोद पांडेय स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे थे और अपने सरल स्वभाव, ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठा के कारण लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे. अचानक बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान हुई मौत जानकारी के अनुसार, मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई. परिजन और सहकर्मी उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया. हालांकि इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. उनके निधन की खबर फैलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मातम पसर गया. मरीजों की सेवा के लिए हमेशा रहते थे तत्पर विनोद पांडेय को जानने वाले लोगों का कहना है कि वे हमेशा मरीजों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे. जरूरतमंदों की मदद करना उनकी आदत में शामिल था. चाहे अस्पताल का कार्य हो या किसी गरीब मरीज की सहायता, वे हर समय आगे रहते थे. यही कारण था कि स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी उनका काफी सम्मान करते थे. स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दी गई श्रद्धांजलि उनके निधन के बाद स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सहकर्मियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. सहकर्मियों ने कहा कि विनोद पांडेय का निधन स्वास्थ्य विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कर पाना आसान नहीं होगा. जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने जताया शोक

वहीं, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है. सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की. अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी लोगों की भीड़ परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में भी उनके निधन की खबर से शोक का माहौल बना हुआ है. अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी, जहां सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी. विनोद पांडेय का निधन न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे स्वास्थ्य विभाग और संझौली क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। उनकी सेवाओं और व्यवहार को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे.

पूर्वी भारत में गरीबी और असमानता पर बड़ा मंथन, संयुक्त कार्यबल बनाने की उठी मांग

पटना (एजेंसी) पूर्वी भारत में गरीबी, असमानता और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए पटना मैनेजमेंट एसोसिएशन) और कोलकाता मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक उच्च स्तरीय वेबिनार आयोजित किया गया। ह्वगरीबी और असमानता : एक अंतर-देशीय विश्लेषणह्न विषय पर हुए इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय सहयोग और नीति सुधार पर अपने विचार रखे. (सुबोध कुमार) पूर्वी भारत में गरीबी, असमानता और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए पटना मैनेजमेंट एसोसिएशन और कोलकाता मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक उच्च स्तरीय वेबिनार आयोजित किया गया। ह्वगरीबी और असमानता : एक अंतर-देशीय विश्लेषणह्न विषय पर हुए इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय सहयोग और नीति सुधार पर अपने विचार रखे. स्वागत भाषण में विकास मॉडल पर जोर कार्यक्रम का स्वागत भाषण सुधा डेयरी के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं पीएमए के संरक्षक डी.के. श्रीवास्तव ने दिया। उन्होंने विकास प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सतत विकास की दिशा में संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया. गरीबी और असमानता पर गंभीर चर्चा पीएमए के अध्यक्ष अधिवक्ता बसंत कुमार सिन्हा ने पूर्ण एवं सापेक्ष गरीबी, आय असमानता तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और रोजगार में व्याप्त विषमताओं पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीति और सामाजिक भागीदारी को जरूरी बताया. सामाजिक इंजीनियरिंग को बताया विकास की कुंजी पूर्व आईएएस अधिकारी एवं पीएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार रथ ने गरीबी उन्मूलन में नागरिक समाज संगठनों और पंचायत स्तर की संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि सामाजिक इंजीनियरिंग ही आर्थिक समृद्धि का आधार बन सकती है. चार राज्यों के लिए संयुक्त कार्यबल का सुझाव कलकत्ता मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रनील बनर्जी ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए संयुक्त ह्वसतत विकास कार्य बलह्न गठित करने का सुझाव दिया. उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों की जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया. वेबिनार में अर्थशास्त्री डॉ. मनोज कुमार मिश्रा एवं आईसीएआर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने वैश्विक और भारतीय संदर्भ में सतत विकास लक्ष्यों की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की. कार्यक्रम का समापन पीएमए के सचिव इंजीनियर मणि किशोर दास के संबोधन और डॉ. नीलेश नारायण के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव घोषित, 18 जून को मतदान

पटना (एजेंसी) बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव की घोषणा कर दी गई है. इलेक्शन कमीशन की ओर से सूचना मंगलवार को जारी कर दी गई है. इसमें चुनाव को लेकर पूरा शेड्यूल जारी किया गया है. इन सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी. (पटना से मिथिलेश कुमार की रिपोर्ट) बिहार विधान परिषद की दस सीटों लिए चुनाव की घोषणा कर दी गई है. चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी सूचना जारी की है. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खाली सीट समेत नौ अन्य सदस्यों का कार्यकाल 28 जून को समाप्त हो रहा है. इन सभी सीटों पर 18 जून को मतदान कराया जाएगा. पहली जून को विधिवत अधिसूचना जारी होगी. इसके साथ ही नामांकन का कार्य आरंभ हो जाएगा. जानिए चुनाव का पूरा शेड्यूल पहली जून से आठ जून तक नामांकन होगा. नौ जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी. 11 जून तक नाम वापसी का समय है. दस नामांकन होने की स्थिति में 11 जून को नाम वापसी की समय खत्म हो जाने के बाद निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी. दस से अधिक नामांकन की स्थिति में 18 जून को मतदान कराया जाएगा. विधानसभा कोटे की इन दस सीटों के लिए 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वोट डाला जाएगा. शाम चार बजे के बाद मतों की गिनती होगी और परिणाम जारी होगा. इनके कार्यकाल हो रहे खत्म डॉ. कुमुद वर्मा, प्रो. गुलाम गौस, मो. फारूख, भीषम साहनी, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीकर कुमार सिंह, सम्राट चौधरी और सुनीरल कुमार सिंह का कार्यकाल 28 जून को खत्म हो रहा है. इन पदों पर द्विवार्षिक चुनाव कराए जायेंगे. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खाली सीट को भरे जाने के लिए भी उप चुनाव कराने की घोषणा की गई है उनके कार्यकाल खत्म होने के बाद परिषद में कांग्रेस के सिर्फ दो सदस्य ही बचेंगे. इसी प्रकार राजद को भी एक सीट का नुकसान उठाना पड़ेगा. उसके दो सदस्य रिटायर हो रहे है. जबकि विधानसभा में संख्या बल के आधार पर पार्टी मात्र एक सदस्य को ही विधान परिषद भेज सकेगी. चुनाव में सबसे अधिक जदयू कोटे की पांच सीटें विधान परिषद की जिन 10 सीटों का कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है, उनमें सबसे अधिक पांच सीटें जदयू कोटे की हैं. भाजपा और राजद के दो-दो सदस्य रिटायर हो रहे हैं. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एनडीए कोटे से दो मंत्रियों का विधान परिषद पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है. इनमें स्वास्थ्य मंत्री निशांत और पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का नाम है. भाजपा कोटे से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और संजय प्रकाश की सीटों का कार्यकाल भी 28 जून को समाप्त हो रहा है. लेकिन भाजपा अभी यह तय नहीं कर पाई है कि इन सीटों पर किन चेहरों को मौका दिया जाएगा. जदयू की जिन सीटों पर चुनाव होना है, उनमें कुमुद वर्मा, गुलाम गौस, भीष्म सहनी और श्रीभगवान सिंह कुशवाहा के इस्तीफे से रिक्त सीटें शामिल हैं. इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाना है.

पटना में देर रात बदला मौसम का मिजाज, आज 26 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, IMD की एडवाइजरी

पटना (एजेंसी) बिहार में इन दिनों दो तरह का मौसम देखने के लिए मिल रहा है. सीमांचल के कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है. जबकि दक्षिण बिहार के जिलों में हीट वेव जैसी स्थिति बनी हुई है. इस बीच मौसम विभाग ने आज 26 जिलों में अलर्ट जारी किया है. राजधानी पटना समेत कई जिलों में देर रात मौसम का मिजाज बदला. पटना में तेज हवा चलने के साथ कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई. इसके साथ ही खगड़िया में भी बारिश दर्ज की गई. जबकि बेगूसराय और भागलपुर जिले में तेज आंधी आई. इस बीच आज भी मौसम विभाग ने आंधी-बारिश को लेकर चेतावनी जारी किया है. बिहार के इन जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग की माने तो, 26 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश और ठनका गिर सकता है. इस जिलों में पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, सीवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई शामिल है. इसके साथ ही मौसम विभाग की ओर से 7 जिलों में हीट वेव को लेकर चेतावनी भी जारी किया गया है. इन जिलों में बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल है. इस तरह से आज भी बिहार में दो तरह का मौसम बना रह सकता है. उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों में आंधी-बारिश जबकि दक्षिण बिहार के जिलों में हीट वेव जैसी स्थिति रह सकती है. पटना में मौसम का हाल राजधानी में गर्म और शुष्क हवा की वजह से लू जैसे हालात हैं, जबकि उत्तर बिहार में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त हवा के कारण बादल छाये रहने के साथ कुछ जगहों पर बादल गरजने के साथ आंधी-पानी भी हो सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार अगले 24 घंटे में पटना सहित दक्षिण बिहार में मौसम गर्म और शुष्क बना रह सकता है. साथ ही उत्तर बिहार के ज्यादातर जिलों में आंशिक रूप से बादल छाये रहने और बादल गरजने के साथ आंधी-पानी को लेकर चेतावनी जारी की गई है. सोमवार को पटना का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. राजधानी में गर्म दिन जैसे हालात बने रहे. पुरवा और पछुआ हवा के प्रभाव से सुबह में उमस वाली गर्मी और दोपहर में तपिश से लोग परेशान रहे. बिहार में दो तरह के मौसम की वजह बिहार में मौसम बदलने की वजह विभाग की ओर से बताया गया

अंधेरे में डूबा महात्मा गांधी सेतु, खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, डर के साये में सफर करते रहे लोग

पटना (एजेंसी) अंधेरे में डूबा महात्मा गांधी सेतु, खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, डर के साये में सफर करते रहे लोग. महात्मा गांधी सेतु पर स्ट्रीट लाइट बंद रहने से सोमवार रात पूरा पुल अंधेरे में डूबा रहा. वाहनों की हेडलाइट के सहारे लोग सफर करते रहे, जिससे हादसे की आशंका के बीच वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. उत्तर बिहार की लाइफ लाइन माने जाने वाले महात्मा गांधी सेतु पर सोमवार रात अव्यवस्था का गंभीर नजारा देखने को मिला. सेतु पर स्ट्रीट लाइट बंद रहने के कारण पूरा पुल अंधेरे में डूबा रहा. स्थिति ऐसी थी कि पुल से गुजरने वाले वाहनों की हेडलाइट ही रोशनी का एकमात्र सहारा बनी हुई थी. अंधेरे के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और हादसे की आशंका लगातार बनी रही. खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन इसी दौरान पाया संख्या 30 के समीप एक ट्रक खराब हो जाने से हाजीपुर से पटना जाने वाली पूर्वी लेन में लंबा जाम लग गया. रात करीब 10 बजे से 12 बजे तक वाहन रेंगते रहे. जाम के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. खासकर छोटे वाहनों और दोपहिया चालकों में दुर्घटना का डर बना रहा. बिजली संकट से और बढ़ी परेशानी स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण भी महात्मा गांधी सेतु अंधेरे में डूबा रहा. इधर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है. मेंटेनेंस और ओवरलोड की वजह से लंबे समय तक बिजली कटौती हो रही है, जिससे लोग गर्मी में बेहाल हैं. यात्रियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल यात्रियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सेतु पर पर्याप्त रोशनी नहीं रहने से दुर्घटना की संभावना काफी बढ़ जाती है. खासकर रात के समय दोपहिया और छोटे वाहनों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक साबित हो सकती है.

बिहार के 10 लाख घरों में लगेगी सोलर यूनिट, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिया बड़ा निर्देश

पटना (एजेंसी) आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज के नाम पर करीब 45 लाख रुपये के गबन का मामला सामने आया है. जांच के बाद संस्थान प्रशासन ने आउटसोर्सिंग कंपनी के चार कर्मचारियों के खिलाफ शास्त्रीनगर थाना में केस दर्ज कराया है. बिहार सरकार राज्य के 10 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घरों में सोलर यूनिट लगाने की तैयारी में जुट गई है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को 01 अणे मार्ग स्थित ह्वसंकल्पह्न में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को इस योजना में तेजी लाने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करा रही है और अब सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है. घरों में सोलर प्लेट लगाने के लिए सरकार करेगी प्रोत्साहित बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही . इससे लोगों की पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होगी और हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा.उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां-जहां सोलर पैनल लगाए गए हैं, उनकी नियमित मॉनिटरिंग और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए. ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर ऊर्जा के प्रचार पर जोर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका दीदियों को सोलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया. साथ ही गांवों में सौर ऊर्जा की कार्यप्रणाली और इसके लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा.उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सोलर ऊर्जा अपनाने के लिए जागरूक करना जरूरी है. कृषि क्षेत्र में भी बढ़ेगा सोलर ऊर्जा का इस्तेमाल मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर तेजी से काम करने का निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक घरों को इस योजना से जोड़ा जाए. इसके अलावा कृषि फीडरों के सोलराइजेशन को बढ़ावा देने और खेती-किसानी में सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग पर भी जोर दिया गया. ऊर्जा विभाग ने योजनाओं की दी जानकारी बैठक में ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, बीपीएल उपभोक्ताओं के सोलराइजेशन प्लान और जीविका दीदियों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी. बैठक में ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार भी मौजूद रहे.

काशी में अजय राय-राहुल गांधी का पुतला फूंका, डीएम की कार रोक कर नारेबाजी; कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

वाराणसी (एजेंसी) वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने अजय राय और राहुल गांधी का पुतला फूंका। नाराज कार्यकताओं ने डीएम की गाड़ी रोककर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान सड़क पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी से नाराज भाजपा नेता और कार्यकर्ता सोमवार को सड़क पर उतर आए। भाजपा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का पुतला फूंका। साथ ही डीएम की कार रोक कर नारेबाजी की और अजय राय की गिरफ्तारी की मांग रखी। कार्यकताओं ने कहा कि अजय राय के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हर मामले की जांच कराकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। भाजपा की क्षेत्रीय, जिला और महानगर इकाई से जुड़े कार्यकताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी से माफी मांगने, अजय राय शर्म करो, कांग्रेस पार्टी का अभिमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे भी लगाए। हर-हर महादेव का जयघोष किया। जताई नाराजगी कार्यकताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेताओं की तरफ से की गई टिप्पणी से देशवासी दुखी हैं। देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस नेता जब तक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगेंगे तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रधानमंत्री काशी के सांसद भी हैं। उनके खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी भाजपा कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस नेता लगातार राजनीतिक मयार्दाओं को तोड़ रहे हैं। अजय राय की टिप्पणी राजनीतिक हताशा का परिणाम है। लगातार चुनाव हार रहे हैं फिर राजनीतिक सोच नहीं बदल रही है। काशी की जनता प्रधानमंत्री मोदी के विकास कार्यों और उनकी लोकप्रियता को भलीभांति जानती है। इस मौके पर अखिलेंद्र सिंह सन्नी, कुसुम सिंह पटेल, नम्रता चौरसिया, शालिनी यादव, रजत जायसवाल, अमन सोनकर, अजय गुप्ता, योगेश सिंह पिंकू, शोभनाथ मौर्य, राजेश राजभर, मनोज सोनकर, रवि खरवार, कुशाग्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। अजय राय की निकाली गई प्रतीकात्मक शवयात्रा : मालिया घाट पर वार्ड नंबर 23 के पार्षद राम सिंह कल्लू ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। सभी ने एकजुट होकर अजय राय के बयान की कड़ी निंदा की। इस दौरान अभय सिंह, राकेश सिंह, आशुतोष पांडेय, विनोद पटेल आदि मौजूद रहे। अजय राय का पुतला दहन करते भाजपा के लोग। कांग्रेस का प्रदर्शन, पीएम-सीएम और शिक्षामंत्री की तस्वीरों में आग लगाई वाराणसी। नीट का पेपर लीक होने और महोबा में अनुसूचित जाति की बिटिया के खिलाफ अपराध मामले में कांग्रेस ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान की तस्वीरों को आग के हवाले कर दिया। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर नितिन सिंह को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यकताओं की तरफ से राहुल गांधी और अजय राय के पुतला दहन पर नाराजगी भी जताई गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस पार्टी ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया कि वह मामले का संज्ञान लें और प्रदेश सरकार को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दें। यह केवल महोबा की एक बेटी के न्याय की नहीं बल्कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। जब तक पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा तब तक कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

एक दिन में दो बड़ी आगजनी, कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, प्लास्टिक फैक्टरी में भी भड़कीं लपटें

कानपुर (एजेंसी) साकेत नगर में रिहायशी इलाके में स्थित कबाड़ गोदाम में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई, जिसे रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, किदवई नगर की एक प्लास्टिक फैक्टरी में भी आग लगने से हड़कंप मच गया। कानपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आगजनी की दो बड़ी घटनाओं से हड़कंप मच गया। साकेत नगर में टेलीफोन एक्सचेंज के पास स्थित एक कबाड़ के गोदाम में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। क्षेत्रीय नागरिक गोरेलाल ने बताया कि यह गोदाम संजय नामक व्यक्ति का है। आग लगने की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस गोदाम को पहले भी दो बार आग के हवाले करने की कोशिश की जा चुकी है, लेकिन तब समय रहते काबू पा लिया गया था। गोदाम मालिक संजय ने सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए थे, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि वे भी जलकर खाक हो गए। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है कि क्या यह महज हादसा है या किसी ने जानबूझकर आग लगाई है। किदवई नगर में प्लास्टिक फैक्टरी बनी अंगारा वहीं, दूसरी घटना किदवई नगर थाना क्षेत्र की है। यहां स्थित एक प्लास्टिक फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग ने तुरंत विकराल रूप ले लिया। दमकल की गाड़ियों ने समय रहते पहुंचकर आग को फैलने से रोक लिया और भारी नुकसान होने से बचा लिया।

युवक की मौत, दूसरा गंभीर, घंटों बाद पहुंची एंबुलेंस; गड्ढे में गिरी थी बाइक

सोनभद्र (एजेंसी) जिले के चोपन क्षेत्र में बाइक गड्ढे में गिरने से दो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना के बावजूद एंबुलेंस देर से पहुंचने पर दोनों सड़क किनारे तड़पते रहे। इलाज के लिए वाराणसी ले जाते समय मनोज उर्फ गुड्डू कुमार की मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल का उपचार जारी है। चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा और नवटलिया के बीच सोमवार रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि सूचना के बावजूद एंबुलेंस काफी देर से पहुंची, जिससे दोनों युवक सड़क किनारे तड़पते रहे। बाद में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार जोखनागड़ी कोटा निवासी रामसजीवन उर्फ बबलू गोंड (28) पुत्र धर्मू सिंह गोंड और मनोज उर्फ गुड्डू कुमार (25) पुत्र गुलाब सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक ही बाइक से तेलगुड़वा से कोटा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेलगुड़वा और नवटलिया के बीच उनकी बाइक अनियंत्रित होकर नवनिर्मित सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पुलिस और एंबुलेंस सेवा को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन एंबुलेंस काफी देर बाद पहुंची। इस दौरान दोनों घायल सड़क किनारे दर्द से तड़पते रहे। स्थानीय लोगों ने भी मदद का प्रयास किया, लेकिन समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलने से उनकी हालत बिगड़ती चली गई। काफी देर बाद एंबुलेंस पहुंचने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर वाराणसी भेजा गया। बताया गया कि वाराणसी ले जाते समय रास्ते में ही मनोज उर्फ गुड्डू कुमार की मौत हो गई। इसकी सूचना मंगलवार सुबह कोटा ग्राम प्रधान प्रह्लाद चेरो ने फोन के माध्यम से पुलिस को दी। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। वहीं दूसरे घायल रामसजीवन उर्फ बबलू गोंड का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने हादसे के बाद सड़क निर्माण और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

सलमान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर चर्चा की

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

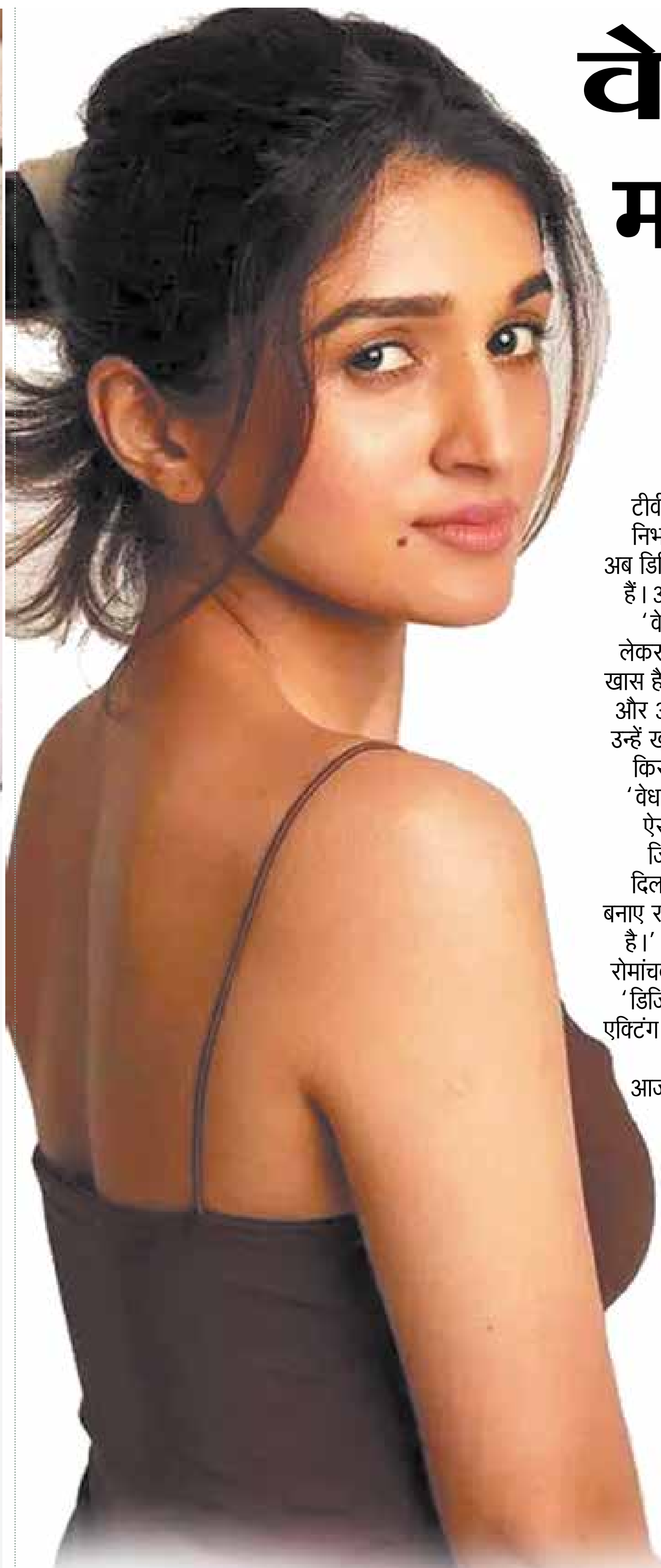

वेधा जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक

टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुई अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह 'वेधा' के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, 'वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।' निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, 'डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। 'वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।' निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है, जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा।' बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो 'अनुपमा' में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो 'श्रीमयी' का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ की

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।''

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है।

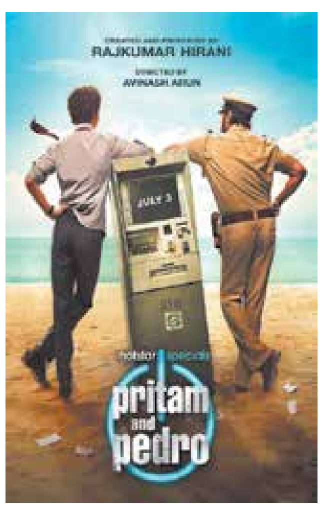

संघर्ष से रहा गहरा नाता, आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।

बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की। इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाती हैं शेफाली

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

कच्छ आशापुरा माँ का दर्शन करके दीव लौट रहे परिवार का हुआ एक्सीडेंट, 4 की हुई मौत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 26 मई। कच्छ स्थित आशापुरा माता मंदिर से दर्शन करके दीव लौट रहे परिवार की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। बताया गया है कि मालिया के हरिपर के पास टायर फटने के बाद इको कार डिवाइडर से फांदकर एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सूत्रों से मिलीं जानकारी के मुताबिक, दीव का कापड़िया परिवार अपनी इको कार से कच्छ में माता के मढ़ गांव स्थित आशापुरा माता मंदिर के दर्शन करने गया था। मां के मंदिर के दर्शन करने के बाद परिवार दीव लौट रहा था, तभी उनकी इको कार DD-02-G-8314 मालिया तालुका के हरिपर गांव में पाटिया के पास से गुजर रही थी। किसी वजह से इको कार का टायर फट गया, जिससे ड्राइवर का स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खो गया और इको कार डिवाइडर फांदकर सड़क के दूसरी तरफ से गुजर रहे एक ट्रक से टकरा गई, जिससे एक्सीडेंट हो गया। इको कार में बैठे कुल छह लोगों में से एक बच्चे समेत कुल चार लोगों की इस एक्सीडेंट में मौत हो गई। जिसमें कार चालक भरतकुमार विरजीभाई बांभनिया (50), निवासी दीव-घोघला, कंचनबेन विरजीभाई बांभनिया (60) निवासी घोघला-दीव, जीवांशु मनोज कापड़िया (8) निवासी घोघला-दीव, मनोज लक्ष्मण कापड़िया (50) निवासी घोघला-दीव शामिल हैं। ये चारों मृतक दीव के घोघला गांव के कापड़िया परिवार के हैं। घायल जागृतिबेन मनोज कापड़िया (35) और उनकी पुत्री वैदर्शी मनोज कपाड़िया (12) को इलाज के लिए राजकोट रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोरबी सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। घटना की सूचना मालिया तालुका पुलिस स्टेशन में दी गई। पुलिस ने दुर्घटना का संज्ञान लिया और दुर्घटना में शामिल वाहनों को घटनास्थल पर सड़क के किनारे करने की कार्रवाई की और मालिया कच्छ राजमार्ग पर यातायात को साफ करने की कार्रवाई की गई। आज इन चारों शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। आज चारों शवों को दीव में घर लाया गया तो उनके परिवारों में दिल दहला देने वाला नजारा बन गया। आज चारों शवों का अंतिम संस्कार कर उन्हें विदाई दी गई। इस दर्दनाक घटना से मृतक के परिवार समेत पूरे दीव में शोक की लहर दौड़ गई है।

कडैया ग्राम पंचायत में नाइट वॉलीबॉल टूर्नामेंट का हुआ सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई । स्थानीय स्तर पर खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं में खेल की भावना जगाने के इरादे से कडैया ग्राम पंचायत ने एक शानदार नाइट वॉलीबॉल टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया। रविवार 25 मई की रात कडैया में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में इलाके की कुल 7 टीमों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के शानदार खेल और खेल प्रेमियों के जबरदस्त जोश के बीच 26 मई को टूर्नामेंट संपन्न हुआ। इस स्पोर्ट्स फेस्टिवल के मौके पर इलाके के जाने-माने राजनीतिक और सामाजिक लोग खास तौर पर मौजूद रहे और खिलाड़ियों का जोश बढ़ाया। जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया, पूर्व सांसद लालू पटेल, दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल और दमण जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नवीन पटेल मौजूद थे। इसके अलावा कडैया ग्राम पंचायत के सरपंच शंकर पटेल, कडैया के जिला पंचायत सदस्य हर्षल पटेल और कडैया ग्राम पंचायत सदस्य अरविंद आगरिया सहित अन्य महानुभावों ने उपस्थित रहकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन की तारीफ की। टूर्नामेंट के दौरान सभी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। फ़ाइनल मुकाबला देवका मांगेला और जय अम्बे टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैदान जीतने के लिए कड़ी टक्कर दी, जिसमें आखिर में देवका मांगेला टीम ने शानदार और आक्रामक खेल दिखाते हुए चैंपियनशिप ट्रॉफ़ी अपने नाम की, जबकि 'जय अम्बे' टीम रनर-अप रही। विजेता और रनर-अप दोनों टीमों के खिलाड़ियों को समापन समारोह में मौजूद सभी गणमान्य लोगों ने सम्मानित किया। इसके साथ ही दोनों टीमों को आकर्षक ट्रॉफ़ी और कैश प्राइज देकर प्रोत्साहित किया गया। ग्राम पंचायत के इस सुंदर आयोजन के लिए इलाके के खेल प्रेमियों और स्थानीय युवाओं ने सरपंच और पंचायत की पूरी टीम को बधाई दी।

दमण में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के लिए चुनावी अधिकारियों और टीमों को दिया गया प्रशिक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई । दमण और दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को ध्यान में रखते हुए चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया गया है। इसी सिलसिले में जिला निर्वाचन कार्यालय दमण द्वारा जमीनी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया को सुचारू, सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न चरणों में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत 22 मई 2026 को हुई, जहां नोडल अधिकारी द्वारा दमण और दीव जिलों के मास्टर ट्रेनर्स और स्वीप नोडल अधिकारियों को महत्वपूर्ण तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्चात इस प्रशिक्षण के दूसरे चरण का विस्तार करते हुए 25 और 26 मई 2026 को सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज वरकुंड (नानी दमण) में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बूथ स्तर के अधिकारियों, बीएलओ पर्यवेक्षकों, स्वीप जागरूकता टीमों और ईआरओ/एईआरओ स्क्रूटनी टीमों को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रत्येक पंजीकृत मतदाता के घर-घर जाकर प्रगणन फॉर्म के माध्यम से डेटा का सत्यापन करें। इसके साथ ही स्वीप जागरूकता टीमों को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिकों के बीच चुनावी साक्षरता बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन टीमों को निर्देशित किया गया है कि वे आम जनता को इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और बीएलओ अधिकारियों को अधिकतम सहयोग प्रदान करने के लिए प्रेरित करें। इस पूरे प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य फील्ड-स्तरीय तैयारियों को मजबूत करना, प्रक्रियात्मक स्पष्टता सुनिश्चित करना और सभी चुनावी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। जिला निर्वाचन कार्यालय को विश्वास है कि जमीनी स्तर पर किए जा रहे इन सहयोगात्मक प्रयासों से एक समावेशी, त्रुटिहीन और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने में मदद मिलेगी।

दानह प्रशासन, निर्वाचन विभाग ने गायत्री मंदिर सिलवासा में एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 26 मई । दादरा नगर हवेली प्रशासन, निर्वाचन विभाग, एसआईआर टीम द्वारा आज सिलवासा नगरपालिका परिषद के वार्ड नंबर 06 की काउंसिलर रजनी शेट्टी के मार्गदर्शन में श्री दत्त मंदिर न्यू सब्जी मार्केट, गायत्री मंदिर सिलवासा में मतदाता सूची अपडेट करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से मतदाता सूची तैयार करनी है। इसलिए एसआईआर टीम द्वारा सिलवासा वार्ड 06 के सभी रहवासियों को एसआईआर से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग, एसआईआर अधिकारी मिलन सोलंकी एवं नोडल ऑफिसर, डॉ. अनिता कुमार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके पश्चात सिलवासा नगरपालिका परिषद के वार्ड नंबर 06 की पार्षद रजनी शेट्टी ने अपने अभिभाषण में कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को एसआईआर कार्यक्रम के तहत बताये गए मार्गदर्शन हेतु प्रेरित किया तथा एसआईआर के तहत दी गई जानकारी की सूचना सभी मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए एसआईआर टीम का धन्यवाद करते हुए दत्त मंदिर के पास उपस्थित सभी लोगों को मतदाता सूची के इस कार्य को पूर्ण करने हेतु अपना सहयोग देने की अपील की। दादरा नगर हवेली के सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम उनके गांव/राज्य/जिले की वर्ष 2002 अथवा 2003 की पिछली SIR मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि नाम की जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो मतदाता अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी (BLO) से संपर्क कर सकते हैं, चुनाव विभाग कार्यालय में जाकर जांच कर सकते हैं अथवा वेबसाइट पर जाकर आवश्यक विवरण भरकर नाम खोज सकते हैं। यदि पिछले SIR-2002 या 2003 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं मिलता है, तो मतदाताओं को अपने माता-पिता के नाम की पुष्टि करनी होगी। यदि माता-पिता के नाम की भी पुष्टि नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे। ये दस्तावेज अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा चुनाव विभाग सिलवासा में जमा करना आवश्यक होगा। आवश्यक दस्तावेजों में केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी हेतु जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। सभी मतदाताओं से विशेष अनुरोध है कि जब बूथ स्तरीय अधिकारी उनके घर आएं, तो वे पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः दादरा नगर हवेली के सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की जाती है।

अंडर-19 फाइनल मुकाबले में यूटी डीएनएचडीडीसीए की शानदार जीत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मई । दमण के वरकुंड स्थित लकमी 360 क्रिकेट ग्राउंड पर अंडर 19 का मुकाबला यूटी डीएनएचडीडी और GENIUS CRICKET ACADEMY VAPI के बीच खेला गया। इस फाइनल मुकाबले में यूटी डीएनएचडीडी की टीम ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए। जिसमें रोहित ठाकुर ने सबसे अधिक 46 रन बनाए, समीर मेहरा ने 37 रन बनाए। GENIUS CRICKET ACADEMY 171 रनों का पीछा करते हुए 123 रनों पर आलआउट हो गई। यूटी डीएनएचडीडी की टीम की ओर से अच्छी गेंदबाजी करते हुए समीर मेहरा ने 4 विकेट चटकाये। बेस्ट बैट्समैन का खिताब रोहित ठाकुर को मिला, जिन्होंने 46 रन बनाकर अपने नाम कर किया। जबकि मैन ऑफ द मैच बने समीर मेहरा ने 37 रन बनाए और 4 विकेट चटकाए और अपनी टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच देखने और खिलाडियों का हौसला बढाने नीमेश दमणिया, कैलाश कामली, भरत दमणिया और अनिलभाई उपस्थित रहकर इनाम वितरण समारोह में हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट को सफल बनाने मे उमेश भंडारी का सराहनीय सहयोग रहा। ज्ञात हो कि डीडीसीए सेक्रेटरी उमेश भंडारी क्रिकेट की उन्नति के लिए हरदम क्रिकेट ग्राउंड पर हर संभव कोशिश करते रहते है। अंत में जीतू दमणिया (टीम मैनेजर) ने सभी उपस्थित मेहमान और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)